Dil mera le gya sawariya, aud ke kaali kaamaliya Lyrics in Hindi and English

Dil mera le gya sawariya, aud ke kaali kaamaliya Lyrics in Hindi

दिल मेरा ले गया सांवरिया,
ओढ़ के काली कामलिया.

ये मीरा तुझे पुकारे रो रो के नीर बहाए,
महल में आजा सांवरिया,
ओढ़ के काली कामलिया,
दिल मेरा ले गया सांवरिया,
ओढ़ के काली कामलिया.

ये द्रोपदी तुझे पुकारे रो रो के नीर बहाए,
आके चिर बढ़ाजा सांवरिया,
ओढ़ के काली कामलिया,
दिल मेरा ले गया सांवरिया,
ओढ़ के काली कामलिया.

ये शबरी तुझे पुकारे रो रो के नीर बहाए,
आके बेर तो खा सांवरिया,
दिल मेरा ले गया सांवरिया,
ओढ़ के काली कामलिया.

ये अर्जुन तुझे पुकारे रो रो के नीर बहाए,
गीता ज्ञान सुना जा सांवरिया,
ओढ़ के काली कामलिया,
दिल मेरा ले गया सांवरिया,
ओढ़ के काली कामलिया.

ये नरसी तुझे पुकारे रो रो के नीर बहाए,
आके भात भरा जा सांवरिया,
ओढ़ के काली कामलिया,
दिल मेरा ले गया सांवरिया,
ओढ़ के काली कामलिया.

Dil mera le gya sawariya, aud ke kaali kaamaliya Lyrics in English

Dil mera le gaya Sawariya,
Odh ke kaali kaamliya.

Ye Meera tujhe pukare, ro ro ke neer bhaye,
Mahal mein aaja Sawariya,
Odh ke kaali kaamliya,

Dil mera le gaya Sawariya,
Odh ke kaali kaamliya.

Ye Draupadi tujhe pukare, ro ro ke neer bhaye,
Aake chir badhaja Sawariya,
Odh ke kaali kaamliya,
Dil mera le gaya Sawariya,
Odh ke kaali kaamliya.

Ye Shabari tujhe pukare, ro ro ke neer bhaye,
Aake ber to kha Sawariya,
Dil mera le gaya Sawariya,
Odh ke kaali kaamliya.

Ye Arjun tujhe pukare, ro ro ke neer bhaye,
Geeta gyaan suna ja Sawariya,
Odh ke kaali kaamliya,
Dil mera le gaya Sawariya,
Odh ke kaali kaamliya.

Ye Narsi tujhe pukare, ro ro ke neer bhaye,
Aake bhaat bhara ja Sawariya,
Odh ke kaali kaamliya,
Dil mera le gaya Sawariya,
Odh ke kaali kaamliya.

About Dil mera le gya sawariya, aud ke kaali kaamaliya Bhajan in English

“Dil Mera Le Gaya Sawariya, Odh Ke Kaali Kaamliya” is a heartfelt and devotional bhajan dedicated to **Lord Krishna**. The bhajan expresses the intense devotion and love of the devotee, who is completely captivated by Lord Krishna, also referred to as “Sawariya” (the beloved). The lyrics beautifully convey how Krishna, with his charm and divine presence, steals the heart of the devotee, leaving them in a state of deep longing and surrender.

- **The Devotee’s Complete Surrender to Krishna:** The phrase **“Dil mera le gaya Sawariya”** (My heart has been taken by the beloved Krishna) reflects the devotee’s complete surrender to Krishna. It signifies the emotional and spiritual connection the devotee has with Krishna, where Krishna becomes the center of their world, capturing their heart and soul.
- **Krishna’s Enchanting Nature:** The reference to **“Odh ke kaali kaamliya”** (wearing the black cloak) signifies Krishna’s divine, charming, and unique appearance. The black cloak represents Krishna’s mystical and enigmatic persona, symbolizing his ability to captivate and mesmerize his devotees with his beauty and divine presence.
- **The Devotion of Historical Figures:** The bhajan also pays tribute to several prominent figures from Hindu mythology, including **Meera**, **Draupadi**, **Shabari**, **Arjuna**, and **Narsi**. These revered figures are depicted as calling out to Krishna, expressing their devotion and longing for his divine presence. Each verse mentions how they, in their sorrow and devotion, cry out for Krishna’s grace and presence.
    - **Meera** calls out to Krishna in her deep emotional longing.
    - **Draupadi**, in her distress, calls upon Krishna for help.

    - **Shabari**, the devoted sage, invites Krishna to share her humble offerings.
    - **Arjuna** invokes Krishna for guidance and wisdom.
    - **Narsi**, another devotee, calls Krishna to bless them with food, symbolizing Krishna's role in providing sustenance and grace.

- **Spiritual Longing and Krishna's Presence:** The bhajan speaks to the universal experience of longing for Krishna's divine intervention. As the devotees express their desire for Krishna's presence, the bhajan emphasizes the connection between the divine and the devotee, where Krishna's arrival brings peace, fulfillment, and spiritual enlightenment.

Overall, "Dil Mera Le Gaya Sawariya, Odh Ke Kaali Kaamliya" is a devotional expression of the deep love and spiritual connection that a devotee feels towards **Lord Krishna**. It highlights the emotional surrender of the devotee, the captivating beauty of Krishna, and the longing that arises when Krishna becomes the center of one's heart and soul. The bhajan inspires devotion and highlights Krishna's role as the eternal beloved, guiding, protecting, and fulfilling the spiritual needs of his devotees.

About Dil mera le gya sawariya, aud ke kaali kaamaliya Bhajan in Hindi

"दिल मेरा ले गया सांवरिया, ओढ़ के काली कामलिया" भजन के बारे में

"दिल मेरा ले गया सांवरिया, ओढ़ के काली कामलिया" एक अत्यंत भावपूर्ण और भक्ति से भरा भजन है जो **भगवान श्री कृष्ण** के प्रति भक्तों के गहरे प्रेम और समर्पण को व्यक्त करता है। इस भजन में भगवान कृष्ण की दिव्य और आकर्षक उपस्थिति को चित्रित किया गया है, जो भक्तों के दिलों में अपना स्थान बना लेते हैं। "सांवरिया" शब्द का प्रयोग भगवान कृष्ण के लिए किया गया है, जो उनके प्यारे और मोहक रूप को दर्शाता है।

- **भक्त का कृष्ण के प्रति समर्पण :** भजन की शुरुआत "दिल मेरा ले गया सांवरिया" पंक्ति से होती है, जिसमें भक्त यह व्यक्त करता है कि भगवान कृष्ण ने उनका दिल चुराकर पूरी तरह से आत्मीयता और प्रेम में डुबो दिया है। भगवान कृष्ण के प्रति यह समर्पण पूरी तरह से दिव्य है, जिसमें भक्त अपनी पूरी भावनाओं को कृष्ण के चरणों में अर्पित करता है।
- **कृष्ण का दिव्य रूप :** "ओढ़ के काली कामलिया" पंक्ति में भगवान कृष्ण के सुंदर रूप और काले वस्त्रों का वर्णन है, जो उनकी विशेषता और आकर्षण को दर्शाता है। कृष्ण के इस रूप में उनके दिव्य गुण और आकर्षक व्यक्तित्व की पूरी महिमा निहित है। यह उनका शरारती, चंचल और प्रेमपूर्ण रूप है, जो सभी भक्तों को अपने आकर्षण से सम्मोहित कर देता है।
- **मूल्य और सम्मान देने वाले भक्त :** भजन में कुछ प्रसिद्ध पात्रों जैसे **मीरा**, **द्रौपदी**, **शबरी**, **अर्जुन** और **नरसिंह** का उल्लेख किया गया है, जो कृष्ण के प्रति अपनी गहरी भक्ति और समर्पण को व्यक्त करते हैं। प्रत्येक अध्याय में इन भक्तों को भगवान श्री कृष्ण के दर्शन की इच्छा और उनकी कृपा प्राप्त करने की प्रार्थना करते हुए दिखाया गया है।
    - **मीरा** भगवान कृष्ण को अपनी अंतरात्मा का प्रेमी मानती हैं और उन्हें पुकारती हैं।
    - **द्रौपदी** अपनी समस्याओं और दुखों के समय कृष्ण की शरण में जाती हैं।
    - **शबरी** कृष्ण को अपने साधारण भोजन का भोग अर्पित करने की इच्छा करती हैं।
    - **अर्जुन** भगवान कृष्ण से गीता का ज्ञान प्राप्त करने के लिए पुकारते हैं।
    - **नरसिंह** कृष्ण से भात (खाना) भरने का अनुरोध करते हैं, यह कृष्ण की कृपा और आशीर्वाद के प्रतीक के रूप में है।

- **आध्यात्मिक प्रेम और कृष्ण की शरण :** भजन में कृष्ण के प्रति भक्तों का प्रेम और समर्पण पूरी तरह से व्यक्त किया गया है, जिसमें भक्त कृष्ण की कृपा और संरक्षण के लिए अपने दिल को खोलकर पुकारते हैं। वे कृष्ण से आशीर्वाद की प्रार्थना करते हैं, जिससे उनके जीवन में शांति और प्रेम का वास हो।

कुल मिलाकर, "दिल मेरा ले गया सांवरिया, ओढ़ के काली कामलिया" भजन भगवान श्री कृष्ण के प्रति भक्तों की गहरी भक्ति, प्रेम और समर्पण को व्यक्त करता है। यह भजन कृष्ण के दिव्य रूप और उनके प्रति अनंत प्रेम को दर्शाता है, जो हर भक्त को अपनी ओर आकर्षित करता है।